

भव सागर से बचने के लिए | By Kamal & Shalini |

भव सागर से बचने के लिए
प्रभु ध्यान से बढ़कर कुछ भी नहीं

गिरने के लिए मरने के लिए
अभिमान से बढ़कर कुछ भी नहीं
भव सागर से बचने के लिए
प्रभु ध्यान से बढ़कर कुछ भी नहीं

उठने के लिए चलने के लिए
गुरु ज्ञान से बढ़कर कुछ भी नहीं
भव सागर से बचने के लिए
प्रभु ध्यान से बढ़कर कुछ भी नहीं

दीनों के लिए दुखियों के लिए
अन्न दान से बढ़कर कुछ भी नहीं
भव सागर से बचने के लिए
प्रभु ध्यान से बढ़कर कुछ भी नहीं

कहते माधव पाने के लिए
भगवान से बढ़कर कुछ भी नहीं
भव सागर से बचने के लिए
प्रभु ध्यान से बढ़कर कुछ भी नहीं

भव सागर से बचने के लिए
प्रभु ध्यान से बढ़कर कुछ भी नहीं

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%b5-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%9a%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%8f-by-kamal-shalini/>